GOVT.
MATA KARMA GIRLS COLLEGE
MAHASAMUND (C.G.)

ESTABLISHED IN 2005

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY

ONE DAY
WORKSHOP

ON

07 JULY 2026

THEME

From Curiosity to Discovery: How to Choose the Right Research Topic

GUEST SPEAKER

DR HARI RAM SAHU
AP (MICRO BIO)

CONVENOR
Dr Swetlana Nagal
AP (Micro Bio)

CO-CONVENOR
Dr Khageshwar Prasad
AP (Micro Bio)

IQAC CO-ORDINATOR
Mr Arvind Sahu
AP (English)

NEP COORDINATOR
Dr Manoj Kumar Sharma
AP (Commerce)

PATRON
Dr Sheel Bhadra Kumar
Principal

ABOUT THE COLLEGE

Government Mata Karma Girls College, Mahasamund (CG) was established in **2005** with a vision to empower women through quality education and holistic development. The college is committed to academic excellence, value-based learning, leadership, and social responsibility. With dedicated faculty, modern infrastructure and a student-centric approach, the college nurtures young minds to become confident, competent and socially responsible citizens.

- Quality Education
- Empowering Women
- Experienced Faculty
- Modern Infrastructure
- Holistic Development

ABOUT THE DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY

The Department of Microbiology is dedicated to the exploration of microorganisms and their impact on life, health and the environment. We provide a dynamic learning environment with well-equipped laboratories, practical exposure, research orientation and innovative teaching methodologies. The department focuses on skill development, research, innovation and community engagement to prepare students for diverse career opportunities in science and beyond.

- Well Equipped Labs
- Research Oriented Learning
- Skill Development
- Industry & Community Connect

ABOUT THE RESEARCH TOPIC

Choosing the right research topic is the first step towards meaningful research. This session will guide students on identifying a research problem, reviewing literature, finding research gaps, framing objectives, forming hypothesis, selecting appropriate methodology, understanding research ethics and exploring opportunities for publication and future research.

MAJOR RESEARCH AREAS

- Environmental Microbiology
- Industrial Microbiology
- Food Microbiology
- Medical Microbiology
- Agricultural Microbiology
- Antimicrobial Resistance
- Molecular Biology
- Biotechnology
- Bioinformatics
- Nanobiotechnology

Let's Explore the Unseen World of Microbes

LEARN • DISCOVER • INNOVATE

Organized by : Department of Microbiology

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन माता कर्मा कन्या में आयोजित

आयोजन शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय महासमुंद में आयोजित

महासमुंद ट्रैक सीजी गौरव चंद्राकर/शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय, महासमुंद के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा फ्रस्त्रह्नश्वद्व ष्टह्लह्द्धश्वह्यद्वह्ल4 ह्लश्व ष्ठद्गह्यष्5१द्गह्ल4: ॥श्व2 ह्लश्व ष्टद्धश्वश्वह्यद ह्लद्धद ऋद्धदद्धह्ल ऋद्गह्यद्गड्डह्नष्द्ध ञ्जश्वश्चद्बष्ऱ्र विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. हरि राम साहू, सहायक प्राध्यापक (सूक्ष्मजीव विज्ञान) थे। कार्यशाला के संरक्षक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शील भद्र कुमार रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. स्वेतलाना नागल, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग ने किया। सह-संयोजक डॉ. खगेश्वर प्रसाद, सहायक प्राध्यापक (सूक्ष्मजीव विज्ञान), आईक्यूएसी समन्वयक श्री अरविंद साहू, सहायक प्राध्यापक (अंग्रेज़ी) तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ह्लश्वक्क) समन्वयक डॉ. मनोज कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

अपने व्याख्यान में डॉ. हरि राम साहू ने शोध की मूल अवधारणा को सरल एवं प्रेरणादायक ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि शोध (Research) केवल नई जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि समाज की वास्तविक समस्याओं का वैज्ञानिक एवं तार्किक समाधान खोजने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी सफ्ल शोध की शुरुआत सही एवं प्रासंगिक शोध विषय के चयन से होती है। शोध विषय का चयन करते समय व्यक्तिगत रुचि, नवीनता, सामाजिक उपयोगिता, उपलब्ध संसाधनों तथा विषय की व्यवहारिकता जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि गुणवत्तापूर्ण शोध से विज्ञान, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण, उद्योग तथा सामाजिक विकास के क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा मिलता है। शोध के माध्यम से विकसित नई तकनीकें एवं वैज्ञानिक खोजें समाज के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, समस्याओं के समाधान खोजने तथा राष्ट्र के सतत विकास मां महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला के दौरान छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने शोध विषय चयन, शोध पद्धति, साहित्य समीक्षा तथा अनुसंधान में उपलब्ध अवसरों से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य वक्ता ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। कार्यक्रम के दौरान एम.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं सुश्री लासिनी साहू एवं सुश्री किरण साहू ने अपने लघु शोध प्रबंध (Short Research Thesis) पर आधारित एक प्रभावशाली सेमिनार प्रस्तुत किया। उनका शोध कार्य नागार्जुन पीजी साइंस कॉलेज, रायपुर में डॉ. साधना जायसवाल, विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक, सूक्ष्मजीव विज्ञान के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया था। छात्राओं ने अपने शोध विषय सूक्ष्मजीवीय जाइलानेज़ एवं मैननेज़ पर किए गए कार्य की संक्षिप्त एवं सारगर्भित प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा सराहा गया

कार्यक्रम के अंत में डॉ. स्वेतलाना नागल ने मुख्य वक्ता, प्राचार्य, समस्त अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने यह भी विशेष रूप से कहा कि उच्च शिक्षा में शोधोन्मुखी शिक्षा आज के समय की आवश्यकता है और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। शोध आधारित शिक्षा से ही नवाचार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रगति को गति मिलती है।